सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 13 | अंक : 151 | नवम्बर : 2022

इस अंक में...

5 सम्पादकीय

7 समसामयिकी घटना संग्रह

8 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

15 आर्थिक घटना संग्रह

- सरकार ने टूटे चावलों के निर्यात पर रोक लगाई
- गौतम अडानी भारत के सबसे अमीर आदमी बने
- भारत में बाल मृत्यु क्रम में उल्लेखनीय सुधार

18 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- आपराधिक प्रक्रिया (पहचान) अधिनियम, 2022 अधिसूचित
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का किया उद्घाटन
- दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने शुरू किया वर्चुअल स्कूल

22 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का निधन
- भारत-बांग्लादेश रेलवे में ऊर्जा सहयोग बढ़ाने पर सहमत
- गूगल ने साइबर सुरक्षा के लिए शुरू किया खास प्रोग्राम

25 खेल खिलाड़ी

- 36वें राष्ट्रीय खेलों के शुभंकर और गीत को लॉन्च किया गया
- एशिया कप 2022 का फाइनल श्रीलंका ने 23 रन से जीता
- विक्टर एक्सेलसन ने पुरुष एकल का खिताब जीता

31 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

33 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

36 **सामयिक लेख**—(i) अति थकान और अवसाद से बचाव

37 (ii) भूख और खाद्यान्न के बीच का संकट

38 **प्रशासनिक भ्रष्टाचार लेख**—प्रशासन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार नियंत्रण

39 **पारिस्थितिकी लेख**—अर्थव्यवस्था पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

41 **औद्योगिक नीति लेख**—भारत में औद्योगिक क्षेत्र से सम्बन्धित प्रमुख चुनौतियाँ

42 **औद्योगिक विकास लेख**—सशक्त सूक्ष्म, लघु, मझोले उद्यम (MSME) सेक्टर से तेज होगी भारत की अर्थव्यवस्था

44 **प्रतिरक्षा लेख**—भारतीय रक्षा क्षेत्र को मजबूत करेगी चैफ तकनीक

45 **प्रौद्योगिकी लेख**—भारत में जैव-प्रौद्योगिकी के बढ़ते कदम

47 अग्निवीर (भारतीय वायु सेना व नौसेना) भर्ती परीक्षा प्रश्न बैंक

विविध/सामान्य

110 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

112 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-148 का परिणाम

113 रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

84 एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ परीक्षा, 2020

मॉडल हल

92 आगामी एस.बी.आई. बैंक लिपिकीय संवर्ग प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

101 आगामी उत्तर प्रदेश प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (PET), 2022 हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966

दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035

पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572

हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283

हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

'हाँ' या 'न' पर दृढ़ रहिए

प्रसन्न रहने के लिए कुछ व्यक्तियों से 'न' कहने की शक्ति का प्रयोग बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से करिए.

ऐसे लोगों को हतोत्साहित करने से न डरें, जो आपसे कुछ प्राप्त करने के लिए अपनी सुविधानुसार आपको याद करते हैं.

जीवन में अनेक ऐसे अवसर आते हैं, जब व्यक्ति को किसी कार्य को करने के लिए 'हाँ' या 'न' कहने की स्थिति का सामना करना पड़ता है. ऊपरी तौर पर 'हाँ' या 'न' दो अक्षर मात्र हैं, लेकिन इनके निहितार्थ बहुत बड़े हैं. इनका सम्बन्ध व्यक्ति की निर्णय लेने और लिए गए निर्णय पर अडिग रहने की शक्ति और सामर्थ्य से है. बहुधा लोग असमंजस में पड़कर ऐसे कार्य को करने के लिए 'हाँ' कह देते हैं जिसे करने से वे कठिनाई में फँस सकते हैं या अपनी स्वीकारोक्ति से पीछे हठने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. इसी प्रकार किसी के दुराग्रह करने पर भी 'न' कहने की हिम्मत न जुटाकर व्यक्ति सबसे पहले अपना ही अहित करता है. ऐसे किसी भी कार्य को करने के लिए 'न' कहने की हिम्मत जुटाइए जिसे करने से आपको खुशी नहीं मिलती या आपकी ऊर्जा नष्ट होती है. 'न' अपने आपमें एक पूरा वाक्य है इसलिए हमें कभी-कभी 'न' कहना सीखना चाहिए. स्टीफेनी लाहार्ट का कहना है–

"Give yourself permission to say 'No' without feeling guilty, mean or selfish. Anybody who gets upset and/ or expects you to say YES all of the time clearly doesn't have your best interest at heart. Always remember : You have a right to say No without having to explain yourself. Be at peace with your decisions."

*प्रथम दृष्टया भावना कार्य करने की, सहायता करने की होनी चाहिए. सर्वथा असमर्थ अथवा विवश होने पर ही **'न'** की जाए. इसके बाद **'न'** का मतलब **'न'** ही होना चाहिए. निर्णय पर पुनर्विचार की बात दुर्बलता की द्योतिका है और इससे अधिकारी की साख गिर जाती है. **'हाँ'** के संदर्भ में भी यही नियम लागू होता है. **'हाँ'** कहने के पहले चाहे जितना सोच-विचार कर लिया जाए, परन्तु **'हाँ'** का अर्थ 'हाँ' ही होना चाहिए. आजकल हमारे राजनेता प्रशासकों की साख कम होने का कारण ही यह है कि वे 'हाँ' का अर्थ शायद और शायद का अर्थ कभी नहीं मानते हैं–यानी उनके वायदे और आश्वासन के पीछे न कोई व्यक्तित्व की गम्भीरता रहती है और न पद की गरिमा. आपको अफसर बनकर अपने व्यक्तित्व की छवि बनानी है तथा अपने कथन की गम्भीरता एवं पद की गरिमा की रक्षा भी करनी है. अन्यथा जनता की दृष्टि से आप अपने आसन के अयोग्य समझे जाने लगेंगे. ऐसी स्थिति में आप समाज का क्या हित साधन कर सकेंगे, जबकि आप जनता की सेवा करने का संकल्प करके इस दिशा की ओर अग्रसर हुए हैं. आपको प्रतिष्ठा प्रिय थी, इस कारण आपने प्रशासनिक सेवा की प्राप्ति हेतु तन, मन, धन लगाए थे. याद रखिए प्रतिष्ठा–प्राप्ति हेतु प्रतिष्ठित व्यवहार करना पड़ता है. आप अपने संदर्भ में एक ऐसे अधिकारी की छवि मत बनने दीजिए कि आप दबाव में काम करते हैं. एक बार यदि ऐसी छवि बन गई तो वह अंत तक आपका पीछा नहीं छोड़ेगी और सहायक कर्मचारी आपकी ढुल-मुल आदत का भरपूर फायदा उठाएंगे.*